सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)

बी०ए० : चतुर्थ सेमेस्टर
हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१ सुदामाचरित : नरोत्तमदास — २७ अंक
२ श्रेष्ठ निबन्ध (निबन्ध संग्रह)–सं० डॉ० आलोक गुप्त प्रकाशक–शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली–६ — २७ अंक
३ हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता — २६ अंक

खण्ड (क) :
निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- नरोत्तमदास का साहित्यिक परिचय
- सुदामाचरित का काव्य रूप
- सुदामाचरित का प्रतिपाद्य
- सुदामाचरित में चरित्र–चित्रण
- सुदामाचरित का युगीन संदर्भ

खण्ड (ख) :

'श्रेष्ठ निबन्ध' नामक पुस्तक से निम्नलिखित निबन्ध पाठ्यक्रम में निर्धारित किए जा रहे हैं–

निर्धारित निबन्ध-

१ दाँत–प्रतापनारायण मिश्र
२ साहित्य की महत्ता–महावीरप्रसाद द्विवेदी
३ क्रोध–रामचन्द्र शुक्ल
४ आचरण की सभ्यता–सरदार पूर्ण सिंह
५ गेहूँ बनाम गुलाब–रामवृक्ष बेनीपुरी
६ साहित्य और जीवन–नंददुलारे वाजपेयी
७ देवदारू–हजारीप्रसाद द्विवेदी

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबन्धों के प्रतिपाद्य तथा निबन्धों की भाषा–शैली पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड (ग) : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता
निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ आधुनिककालीन हिंदी साहित्य का परिवेश
२ भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
३ द्विवेदीयुगीन

४ छायावाद

५ प्रगतिवाद

६ प्रयोगवाद

७ नई कविता

८ समकालीन हिंदी कविता

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ६ अंक निर्धारित हैं। पूरा
१२ प्रश्न १२ अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी
१० एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ७ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ६ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ७ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

९ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म०द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
समय : ३ घण्टे
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

पाँचवाँ प्रश्नपत्र : मध्यकालीन हिन्दी कविता

(क)-- भक्तिकालीन हिंदी कविता

भक्तिकाल के निम्नलिखित कवियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१ कबीरदास
निर्धारित पाठ्यपुस्तक–कबीर–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
निर्धारित वाणी–संख्या–१, २, ८, २२, ३४, ३५, ३६, ४३, ५६, ६३, ६६, ७७, ७६, ८०, ८७, ६१, १०६, ११५, १२३, १२६, १३४, १३५, १४०, १४८, १६२ = २५

२ जायसी
निर्धारित पाठ्यपुस्तक– जायसी ग्रन्थावली : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल
निर्धारित खण्ड : स्तुति खण्ड तथा नागमती वियोग खण्ड

३ सूरदास
निर्धारित पाठ्यपुस्तक–भ्रमरगीत सार : संपादक–रामचन्द्र शुक्ल
निर्धारित पद–७, १४, २१, २४, ३४, ३८, ४२, ५०, ५२, ६२, ६४, ८५, ८६, १००, ११३, ११४, ११५, १३६, १४१, १५६, १७१, १७२, १७६, १६०, २००=२५

४ तुलसीदास
निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कवितावली (गीता प्रेस, गोरखपुर)
निर्धारित छंद : बालकाण्ड से – १, २, ३, ४, ५, ६, ७, १६
अयोध्याकाण्ड से –१, २, ११, १६, २२, २७
सुन्दरकाण्ड से – ५, १०
उत्तरकाण्ड से – ६, २८, ३१, ३७, ४४, ४६, ५७, ७१, ७८ कुल =२५

५ रैदास
निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रैदास की बानी (प्रकाशक : बेलवीडियर प्रिंटिंग प्रेस, इलाहाबाद)
निर्धारित साखी – १–६
निर्धारित पद – ३, ४, ६, ७, ८, ६, १०, ११, १२, १६, १६, २२, ३२, ३४, ४०, ४२, ५०, ५५, ५६, ६६, ७०=२२

(ख)-- रीतिकालीन हिंदी कविता

रीतिकाल के निम्नलिखित कवियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१ केशवदास
२ देव
३ बिहारी
४ भूषण
५ घनानन्द

रीतिकाल पर प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक निर्माण के साथ किया जायेगा) म०द० विश्वविद्यालय, रोहतक का हिंदी–विभाग तैयार करेगा । विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पूर्व वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये ।

खण्ड-(ख) निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भक्तिकाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ कबीर का समाज सुधारक रूप
२ कबीर की भक्तिभावना
३ सूर का वात्सल्य वर्णन
४ सूर का शृंगार वर्णन
५ तुलसी का समन्वयवाद
६ तुलसी की सार्थकता
७ जायसी का वियोग–वर्णन
८ पदमावत का महाकाव्यत्व
६ रैदास की भक्तिभावना
१० रैदास की सामाजिक चेतना

१ रीतिकाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ केशवदास का काव्य–वैशिष्ट्य
२ केशवदास का आचार्यत्व
३ देव का काव्य–वैशिष्ट्य
४ देव का अभिव्यक्ति–विधान
५ सतसई परम्परा में बिहारी सतसई का स्थान
६ बिहारी की बहुज्ञता
७ भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य
८ सिद्ध कीजिए कि भूषण युग प्रवर्त्तक कवि हैं ।
६ घनानन्द का प्रेम–निरूपण
१० घनानन्द के काव्य का कलापक्ष

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित भक्तिकालीन हिंदी कविता और रीतिकालीन हिंदी कविता में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से (भक्तिकाल तथा रीतिकाल से) दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए ८ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

३ भक्तिकालीन हिन्दी कविता तथा रीतिकालीन हिन्दी कविता एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

छठा प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दी कविता

(क)-- छायावादी हिंदी कविता
निर्धारित पाठ्यपुस्तक

प्रसाद, निराला, पन्त, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ--प्रस्तुतकर्ता : वाचस्पति पाठक
प्रकाशक–लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

निर्धारित कवि और उनकी कविताएँ :

१ **जयशंकर प्रसाद**–हिमाद्रि तुंगशृंग से, जाग री, मेरे नाविक, संसृति के वे सुन्दरतम क्षण, आह! वेदना मिली विदाई, सौन्दर्य, कौन तुम ? संसृति–जलनिधि तीर, इतना न चमत्कृत हो बाले ।

२ **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला**–भारती वन्दना, वसन्त आया, जागो फिर एक बार, बादल राग (१), बादल राग (२), बादल राग (६), ध्वनि, गहन है यह अन्धकारा, स्नेह निर्झर बह गया, सरोज–स्मृति ।

३ **सुमित्रानंदन पंत**–नौका विहार, चाँदनी, तप रे !, ताज, द्रुत झरो, यह धरती कितना देती है !,भारत माता, धेनुएँ ।

४ **महादेवी वर्मा**–धीरे–धीरे उतर क्षितिज से, जीवन विरह का जलजात, मैं बनी मधुमास आली !, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल ! तुम मुझमें प्रिय ! फिर परिचय क्या !, मैं नीर भरी दु:ख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित, जब ये दीप थके, यह मन्दिर का दीप ।

(ख)-- छायावादोत्तर हिंदी कविता
निर्धारित कवि और उनकी कविताएँ :

१ **स० ही० वात्स्यायन अज्ञेय**
निर्धारित पुस्तक : अज्ञेय : सं० विद्यानिवास मिश्र
निर्धारित कविताएँ–आज थका हिय हारिल मेरा, मैंने देखा एक बूँद, पानी बरसा, बावरा अहेरी, सत्य तो बहुत मिले, नन्दा देवी–६, हिरोशिमा, सोन मछली, नदी के द्वीप, असाध्य वीणा।

२ **धर्मवीर भारती**
निर्धारित पुस्तक–सात गीत वर्ष : धर्मवीर भारती

निर्धारित कविताएँ–नवम्बर की दोपहर, उत्तर नहीं हूँ, संक्रांति, वैदिक वाणी, केवल तन का रिश्ता, उपलब्धि, निर्माण–योजना, एक वाक्य, टूटा पहिया, शाम–एक थकी लड़की

३ नागार्जुन

निर्धारित पुस्तक : नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ–सं० नामवर सिंह

निर्धारित कविताएँ–प्रतिबद्ध हूँ, सिंदूर तिलकित भाल, वह दंतुरित मुस्कान, चंदू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा, सोनिया समंदर, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, सत्य।

४ दुष्यन्त कुमार

निर्धारित पुस्तक : साये में धूप–दुष्यन्त कुमार

निर्धारित गज़लें–कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए, कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं, ये सारा जिस्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा, भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ, आज सड़कों पर लिखे हैं सैंकड़ों नारे न देख, जिन्दगानी का कोई मकसद नहीं है, बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं, पक गई हैं आदतें, बातों से सर होंगी नहीं, मैं जिसे ओढ़ता–बिछाता हूँ ।

५ कुँवर नारायण

निर्धारित पुस्तक–कुँवर नारायण : संसार–सं० यतीन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

निर्धारित कविताएँ–सवेरा, मैं जानता हूँ, चक्रव्यूह, ये पंक्तियाँ मेरे निकट, जब आदमी–आदमी नहीं रह पाता, अब की अगर लौटा तो, कविता, कविता की जरूरत, अयोध्या, : १९९२, आठवीं मंजिल पर, पुनश्च ।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, कवियों की काव्य–संवेदना तथा अभिव्यक्ति–कौशल पर आधारित प्रश्न ही पूछे जाएंगे ।

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित छायावादी हिन्दी कविता तथा छायावादोत्तर हिन्दी कविता में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमे से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए ८ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

३ दोनों खण्डों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

सातवाँ प्रश्नपत्र : कहानी साहित्य

खण्ड-(क)- हिंदी कहानी

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : बीसवीं शताब्दी की हिंदी कहानियाँ
(खण्ड–१ से १२ तक)–सम्पादक महेश दर्पण

निर्धारित कहानियाँ

१ शतरंज के खिलाड़ी – प्रेमचन्द : खण्ड –२ से
२ जाह्नवी – जैनेन्द्र : खण्ड – ३ से
३ डाची – अश्क : खण्ड – ३ से
४ परिन्दे – निर्मल वर्मा : खण्ड – ५ से
५ कस्बे का आदमी – कमलेश्वर : खण्ड – ५ से
६ खेल खिलौने – राजेन्द्र यादव : खण्ड – ५ से
७ लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु : खण्ड – ५ से
८ अमृतसर आ गया – भीष्म साहनी : खण्ड – ७ से
६ बहिर्गमन – ज्ञानरंजन : खण्ड ७ से
१० आपकी छोटी लड़की – ममता कालिया : खण्ड ८ से
१० त्रिशंकु – मन्नू भण्डारी : खण्ड ८ से
११ अपना रास्ता लो बाबा – काशीनाथ सिंह : खण्ड –६ से
१२ अतिथि देवो भव – अब्दुल बिस्मिल्लाह : खण्ड – १० से
१३ मलबा – मंजुल भगत : खण्ड – १० से
१४ प्रमोशन – ओम प्रकाश वाल्मीकि : खण्ड – ११ से

खण्ड-(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

निर्धारित कहानीकारों का साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों का प्रतिपाद्य तथा कहानी कला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों में से आठ अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए ८ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

३ निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

आठवाँ प्रश्नपत्र : निबन्ध साहित्य

खण्ड-(क)-

१ **निर्धारित पाठ्यपुस्तक**

- निबन्ध निकष – सं० डॉ० रामचन्द्र तिवारी
  प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

निर्धारित निबन्ध-

१ साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है–बालकृष्ण भट्ट
२ कवियों की उर्मिलाविषयक उदासीनता–महावीरप्रसाद द्विवेदी
३ मजदूरी और प्रेम – अध्यापक पूर्ण सिंह
४ कछुआ धरम – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
५ भारत की सांस्कृतिक एकता – रामधारी सिंह दिनकर
६ चेतना का संस्कार – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय
७ साहित्य में आत्माभिव्यक्ति–डॉ० नगेन्द
८ सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास–डॉ० रामविलास शर्मा

२ **निर्धारित पाठ्यपुस्तकें और निर्धारित निबन्ध**

(I) **अशोक के फूल** : हजारीप्रसाद द्विवेदी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. अशोक के फूल
२. वसन्त आ गया

(II) **वसंत आ गया** : विद्यानिवास मिश्र (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. अस्ति की पुकार–हिमालय
२. इन टूटे हुए दियों से काम चलाओ

(III) **रस आखेटक** : कुबेरनाथ राय (भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली)
इस पुस्तक से दो निबन्ध १. रस आखेटक
२. हरी–हरी दूब और लाचार क्रोध

खण्ड--(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबन्धों के प्रतिपाद्य तथा भाषा शैली पर आधारित प्रश्न ही पूछे जायेंगे ।

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों (वर्ग–१ तथा वर्ग–२) में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दोनों वर्गों से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक वर्ग में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए ८ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

३ दोनों वर्गों के निबन्धों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक वर्ग से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंव
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंव

नौवाँ प्रश्नपत्र : संस्मरण और आत्मकथा

खण्ड-(क)-

निर्धारित पाठ्यपुस्तक

१ पथ के साथी – महादेवी वर्मा
२ क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा : भाग–१)
राजपाल एण्ड संज, कश्मीरी गेट, दिल्ली ।

खण्ड-(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 'पथ के साथी' पर निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
  १ महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय
  २ पाठ्यपुस्तक में निर्धारित पाठों का प्रतिपाद्य और शिल्प
- 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' पर निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
  १ बच्चन का साहित्यिक परिचय
  २ आत्मकथा लेखन की परम्परा
  ३ 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' का प्रतिपाद्य
  ४ 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के आधार पर बच्चन का जीवन
  ५ आत्मकथा के निकष पर : 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ'

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों मे से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए ८ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

दसवाँ प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीतिकाल)

आदिकाल :

१ हिन्दी साहित्येतिहास–लेखन की परम्परा
२ हिन्दी साहित्य : काल–विभाजन एवं नामकरण
३ आदिकाल का नामकरण
४ आदिकालीन हिन्दी कविता का परिवेश
५ आदिकालीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ
६ रासो काव्य परम्परा
७ अमीर खुसरो की हिन्दी कविता

भक्तिकाल :

१ भक्तिकाल का प्रेरणास्रोत
२ निर्गुण काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
३ सूफी काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
४ कृष्ण काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
५ राम काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
६ भक्तिकाल की उपलब्धियाँ

रीतिकाल :

१ रीतिकाल का नामकरण
२ रीतिकाल की पृष्ठभूमि
३ रीतिकाव्य की प्रवृत्तियाँ
४ रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ
५ रीतिकवियों का आचार्यत्व

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४० अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा कहानी–कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ग) : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ रीतिकालीन हिंदी कविता के प्रेरणास्रोत

२ रीतिकाल का नामकरण

३ रीतिकाल का विभाजन तथा रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ

४ रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ

५ रीतिकवियों का आचार्यत्व

६ रीतिकालीन हिंदी काव्य की उपलब्धियाँ

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थि को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ६ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किर एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ७ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थि को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ६ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा।यह प्रश्न ७अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

९ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

खण्ड--ग : पारिभाषिक शब्दावली

निर्धारित विषय

१ पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप और महत्व

२ पारिभाषिक शब्दावली के गुण

३ पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध सम्प्रदाय : राष्ट्रीयतावादी, अन्तरराष्ट्रीयतावादी, समन्वयवादी ।

खण्ड--घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ८–८ अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न १६ अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से १० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० : तृतीय सेमेस्टर
हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक--विभाजन

१	आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पुस्तक	२७ अंक
	कहानी एकादशी–सं० दशरथ ओझा प्रकाशक–शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली	२७ अंक
३	हिन्दी साहित्य का रीतिकाल	२६ अंक

खण्ड--(क) :

तृतीय सेमेस्टर हिंदी (ऐच्छिक) की आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का हिंदी–विभाग तैयार करेगा । म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि वह पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पुस्तक में निम्नलिखित कवियों की रचनाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा–

१ मैथिलीशरण गुप्त
२ जयशंकर प्रसाद
३ सुमित्रानंदन पंत
४ महादेवी वर्मा
५ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
६ बालकृष्ण शर्मा नवीन
७ रामधारी सिंह दिनकर

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

कवियों के साहित्यिक परिचय, उनके काव्य की संवेदनागत तथा शिल्पगत विशेषताओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ख)

'कहानी एकादशी' नामक पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित कहानियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१	ईद का त्योहार	–प्रेमचंद
२	छोटा जादूगर	–जयशंकर प्रसाद
३	पढ़ाई	–जैनेन्द्र कुमार
४	आदमी का बच्चा	–यशपाल
५	दरोगा अमीचन्द	–अज्ञेय
६	दिल्ली में एक मौत	–कमलेश्वर
७	नई नौकरी	–मन्नू भण्डारी

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी
बी०ए० : तृतीय सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक ३६ अंक
- हिंदी साहित्य का रीतिकाल २६ अंक
- प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद १० अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न ८ अंक

खण्ड--क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

- तृतीय सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग तैयार करेगा । कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा–

१ अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध
२ मैथिलीशरण गुप्त
३ जयशंकर प्रसाद
४ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
५ महादेवी वर्मा
६ रामधारी सिंह दिनकर
७ भारतभूषण अग्रवाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे । कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे ।

खण्ड--ख : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
१ रीतिकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
२ रीतिकाल का नामकरण
३ रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
४ रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ

५ रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

खण्ड--ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

१ कंप्यूटर : स्वरूप और महत्व
२ ई–मेल : प्रेषण–ग्रहण
३ इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता
४ मशीनी अनुवाद
५ अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप

खण्ड--घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश-

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे ज़िनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ८–८ अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न १६ अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से ८ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी
बी०ए० : चतुर्थ सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

• कहानी पर आधारित पाठ्यपुस्तक	३६ अंक
• हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य	२६ अंक
• पारिभाषिक शब्दावली	१० अंक
• वस्तुनिष्ठ प्रश्न	८ अंक

खण्ड--क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

पंचम सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की कहानी पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) प्रोफेसर रोहिणी अग्रवाल (हिंदी–विभाग म० द० विश्वविद्यालय रोहतक) तैयार करेंगी । म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि वह पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित कहानीकारों की कहानियों को शामिल किया जाएगा–

१ प्रेमचंद
२ जयशंकर प्रसाद
३ स० ही० वात्स्यायन अज्ञेय
४ मोहन राकेश
५ फणीश्वरनाथ रेणु
६ मैत्रेयी पुष्पा
७ ओमप्रकाश वाल्मीकि

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के वस्तु पक्ष तथ कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--ख : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
२ हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास
३ हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास
४ हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
५ हिंदी निबन्ध : उद्‌भव और विकास